ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अखिल भारतीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का सफल आयोजन

मंचासीन राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के साथ ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर बच्चों को सम्बोधित करते हुए।

शांतिवन। बच्चों में मूल्यों की कमी और संस्कारों का अभाव चिंता जनक है। नौनिहालों में अच्छे संस्कारों के लिए जीवन में मूल्यों और बौद्धिक स्पर्धा का होना अति आवश्यक है। उक्त विचार ब्रह्माकुमारी संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका **राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी** ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारी संस्था के शिक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित 39वें बाल व्यक्तित्व विकास शिविर में आये हज़ारों बच्चों को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि माता पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों को प्रारम्भ से नैतिक मूल्यों के प्रति शिक्षित करना करें। आज की पीढ़ी को संस्कार देना ज़रूरी है। भौतिकता की चकाचौंध में बच्चों के संस्कार तेज़ी से बदल रहे हैं जो आने वाले समय के लिए एक चुनौति है। इसलिए शिक्षा में मूल्यों के साथ बौद्धिक स्पर्धा का होना अति आवश्यक है। ब्रह्माकुमारी संस्था के महासचिव **ब्र.कु. निर्वैर** ने कहा कि बच्चों को जितना प्यार से सिखायेंगे, उतनी जल्दी ही उनके मानस पटल पर ये बातें आयेंगी। इसलिए नौनिहालों को पढ़ाई के साथ नैतिक शिक्षा देना ज़रूरी है। माता पिता के साथ शिक्षकों को भी संस्कारों के प्रति सजग होना चाहिए।

बच्चों के संस्कारों के लिए शिक्षा में मूल्यों और बौद्धिक स्पर्धा ज़रूरी: दादी
39वें अखिल भारतीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर में पहुंचे हज़ारों नौनिहाल

शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि पिछले 39 वर्ष से हज़ारों बच्चों की ज़िन्दगी बदली है। पढ़ाई के साथ खेलकूद में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी आवश्यक है। कार्यक्रम में शांतिवन प्रबन्धक ब्र.कु. भूपाल, शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. हरीश शुक्ला, ब्र.कु. शीलू समेत कई लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान खेलकूद, भाषण प्रतियोगिता, ऊँची कूद, लम्बी कूद, म्यूज़िकल चेयर, पेंटिंग प्रतियोगिता, कहानी, डांस प्रतियोगिता, वक्तृत्व स्पर्धा, पठन स्पर्धा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, दौड़ आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेता बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

पारिवारिक समस्याओं का समाधान

बेटी बचाओ सशक्त बनाओ

देहरादून-उत्तराखण्ड। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सुभाष नगर में आयोजित 'बेटी बचाओ सशक्त बनाओ एवं राजयोग द्वारा पारिवारिक समस्याओं का समाधान' विषय पर **ब्र.कु. रानी, मुज़फ्फरपुर** ने कहा कि आज हमारी सरकार भी बेटी बचाओ और बेटी को सशक्त बनाओ की ओर विशेष ध्यान दे रही है, और यहाँ हमें परमपिता परमात्मा श्रेष्ठ कर्म करना सिखलाते हैं ताकि हम दु:ख और अशांति से मुक्त हो सकें। परमात्मा कहते हैं, जो जैसा कर्म करेगा वैसा ही फल उसे मिलेगा। उन्होंने ये भी बताया कि संस्कार परिवर्तन का कार्य परमपिता शिव परमात्मा के द्वारा किया जा रहा है जिससे नवयुग नई सृष्टि का आरम्भ होगा।

परमात्मा इसके लिए हमें ज्ञान, राजयोग की शिक्षा दे रहे हैं क्योंकि आज ये दुनिया कलियुग के अन्तिम दौर से गुज़र रही है। आज भारत में बेटी बचाओ सशक्त बनाओ के सिर्फ कार्यक्रम चल रहे हैं, किन्तु परमपिता परमात्मा ने न सिर्फ बहनों को सशक्त बनाया बल्कि सारी सृष्टि के नवनिर्माण की ज़िम्मेवारी भी दी। आज मुझे ये बताते हुए गर्व हो रहा है कि आज सारे विश्व में सशक्त नारियों के द्वारा नवनिर्माण का कार्य बखूबी किया जा रहा है। दीदी ने कहा कि परमात्मा ने हमें स्मृति दिलाई कि हम सभी दैवी कुल के हैं, ना कि किसी जाति अथवा वर्ण के हैं। मुख्य वक्ता के रूप में उत्तराखण्ड मेट्रो रेल परियोजना के प्रबन्ध निदेशक **जितेन्द्र त्यागी** ने कहा कि सशक्त नारी के द्वारा विश्व परिवर्तन का कार्य परमात्मा के निर्देशन में सारे विश्व में हो रहा है। आज हमें नारी के प्रति अपना नज़रिया बदलने की ज़रूरत है। नारी शक्ति स्वरूपा है और उसी के माध्यम से ये नवनिर्माण का कार्य संभव होगा।

मंचासीन ब्र.कु. सुभाष, ब्र.कु. मंजू, जितेन्द्र त्यागी, ब्र.कु. रानी व अन्य।

ब्र.कु. मीना ने मेडिटेशन का अभ्यास कराते हुए कहा कि इस प्रकार हर आत्मा, परमपिता परमात्मा से अपने अन्तर्मन को जोड़कर सुख, आनन्द, शांति की अनुभूति कर सकती है। कार्यक्रम में ब्र.कु. मंजू ने उपस्थित वक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए सभी को साप्ताहिक कोर्स के लिए आमंत्रित किया।

'गौरवशाली संस्कृति की ओर कलाकार' सम्मेलन

ज्ञानसरोवर। ब्रह्माकुमारीज़ कला-संस्कृति प्रभाग द्वारा 'गौरवशाली संस्कृति की ओर कलाकार' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत के कोने-कोने से शरीक हुए कलाकार।

निफा संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रितपाल पन्नु ने कहा कि प्राचीन कलाकार अपनी कला में तो पारंगत थे ही परन्तु अपने निजी जीवन में वे साधक व तपस्वी रहे हैं। कला के साथ सामाजिक सरोकार व विश्व बन्धुत्व की भावना जुड़ी हुई थी। आज सही मायने में ब्रह्माकुमारी संस्था का चैनल 'पीस ऑफ माइंड' पूरे विश्व में वसुधैव कुटुम्बकम को चरितार्थ कर रहा है।

सम्मेलन की मुख्य वक्ता **ब्र.कु. निहा,** ज़ोनल संयोजक,मुम्बई ने कहा कि आज कलाकार परम शक्ति के साथ जुड़कर कार्य करेंगे तो समाज को एक नई दिशा मिल सकेगी।

मॉरीशियस के प्रथम प्रधानमंत्री के सचिव रह चुके **सुरेश रामबर्न** ने कहा कि कलाकार का लक्ष्य कला के माध्यम से बेहतर विश्व बनाने व समाज में खुशी लाने का होना चाहिए। कला ही इसका सुगम माध्यम है। मुम्बई की ब्र.कु.नलिनी ने कहा कि हम अपने जीवन में ऐसे आदर्श रोल मॉडल बनें जो हर कोई कहे कि वन्स मोर। फिल्म कलाकार **शैलेन्द्र श्रीवास्तव** ने कहा कि यह तपोस्थली है जहां शिव बाबा की कृपा बरसती है। यहां सभी में शिव का स्वरूप दिखाई दे रहा है। यहां पहुंचते ही खुशबूदार हवा के झोंके ने तन-मन को प्रफुल्लित कर दिया। हिन्दी व कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री **प्रियंका कोठारी** ने कहा कि इस संस्था से बहुत ही प्रेम मिला है। यह यात्रा है 'मैं' से 'हम' की तथा स्वस्ति से समष्टि की। ब्रह्माकुमारीज़ शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष **ब्र.कु. मृत्युंजय** ने कहा कि शुद्ध विचारों की शक्ति ही समाज में दिव्यीकरण ला सकती है। परमात्मा द्वारा सिखाए जा रहे राजयोग द्वारा कलाकार अपना आंतरिक सशक्तिकरण कर सकते हैं। भावनगर की **ब्र.कु. तृप्ति** ने सभी को राजयोग की अनुभूति कराई। कला-संस्कृति प्रभाग के मुख्यालय संयोजक **ब्र.कु.दयाल** व **ब्र.कु.सतीश** ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। करनाल की ब्र.कु.प्रेम ने सफल मंच संचालन किया।

ब्र.कु. नलिनी, ब्र.कु. मृत्युंजय, डॉ. संदीप, अभिनेत्री ज़रीना वहाब, अभिनेत्री शशि शर्मा, ब्र.कु. तृप्ति तथा अन्य।

बार-बार यहाँ आने का मन करता है : फिल्म अभिनेत्री ज़रीना वहाब

इस परिसर में आकर मुझे जो मन की शांति का अनुभव हुआ है वह अवर्णनीय है। कई वर्षों से यहाँ आने की इच्छा थी लेकिन यह समझ में आया कि ऐसे स्थान पर जब परमात्मा की मर्जी हो तब ही आया जा सकता है। आज का दिन मेरे लिए बहुत ही सौभाग्यशाली है। दिल तो करता है कि यहीं रह जाऊँ, लेकिन मैं जल्द ही वापस यहाँ आकर इस आध्यात्मिक ऊर्जा का लाभ उठाऊंगी।

यहाँ मुझे जन्नत का अनुभव हुआ: फिल्म अभिनेत्री शशि शर्मा

यहां आने के बाद ऐसा लग रहा है जैसे मुझे पंख लग गये हैं और मैं खुले आसमान में उड़ रही हूँ, झूम रही हूँ। इस अनुभव को इतने अच्छे ढंग से महसूस कर रही हूँ जैसे जन्नत में आ गई हूँ। जीवन जीने का पाठ यहां सिखाया जा रहा है। यहाँ आकर मैं बहुत अधिक खुद को उत्साहित अनुभव कर रही हूँ। परमात्मा के कार्य में मुझे भी सहयोगी बनने का भाग्य मिला है। भगवान के करीब पहुँचने का अवसर मिला है।

सकारात्मक ऊर्जा का अद्भुत केन्द्र

नोएडा फिल्म सिटी के संस्थापक डॉ.संदीप मारवाह ने कहा कि जीवन की सुंदरता छिपी है इंसान की सुंदर भावनाओं व सकारात्मक विचारधारा में, ये मैं यहाँक आकर अनुभव कर रहा हूँ। मैं यहाँ श्वांस भी ले रहा हूँ तो लग रहा है कि कुछ बेहतर अंदर जा रहा है। एक साथ इतनी सकारात्मक ऊर्जा वाले इंसानों को एक जगह पर देखना बहुत ही अद्भुत लग रहा है। यहाँ आकर मेरे बात करने का तरीका ही सुंदर हो गया है, यहाँ हर पल सीखने को मिल रहा है। मैं दुनिया में अनेक जगहों पर गया तो पाया कि वहाँ लोग मांगने के लिए बैठे हैं लेकिन यहाँ इस संस्था में आकर देख रहा हूँ कि हर व्यक्ति कुछ देना चाहता है।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SRO/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd june 2018
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं अमर उजाला प्रेस द्वारा मुद्रित।